कारगर होगी आरमर सेवा

त्वरित जीवन रक्षा

- सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम
- पिछले वर्ष रांची में 82 की हुई थी मौत

जागरण संवाददाता, रांची : एक्सीडेंट रिस्पांस एंड मेडिकल असिस्टेंट रांची (आरमर सेवा) के शुरू होते ही सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों की जीवन रक्षा शीघ्र हो सकेगी। तत्संबंधी हर समस्या के निदान का इंतजाम कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि रांची में वर्ष 2014-15 में 296 लोग सड़क दुर्घटनाओं के शिकार हुए। इनमें 214 घायल हुए। 82 की मौत हो गई।

12 अप्रैल को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडियन ऑरिजिन (आमी) के तत्वावधान में रिम्स में मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सड़क दुर्घटना ट्रॉमा केयर प्रोग्राम की शुरुआत की। इसके तहत सेव लाइफ फाउंडेशन की मैनेजर ऋचिका जायसवाल ने झारखंड पुलिस के 100 जवानों को सीपीआर (कार्डिओ पल्मोनरी रेसिसिटेशन) और ब्लीडिंग कंट्रोल करने का प्रशिक्षण भी दिया था।

आठ एंबुलेंस की सुविधा : ट्रैफिक एसपी कौशिक एस ने बताया कि पूर्व में सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की जीवन रक्षा के लिए गोल्डेन आवर नाम से कार्यक्रम चलाया गया था, लेकिन इस कार्यक्रम के प्रति एकाउंटेबिलिटी और रिस्पांसिबिलिटी नहीं थी। सभी अस्पतालों में एंबुलेंस की सुविधा थी, लेकिन आरमर सेवा के तहत आठ एंबुलेंस की सुविधा जी रही है। छह एंबुलेंस रांची के लिए और दो हाईवे पेट्रोलिंग के लिए। एंबुलेंस में एक ड्राइवर, दो पुलिस कांस्टेबल और इमरजेंसी मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए दो तकनीशियन तैनात रहेंगे। इसके अलावा शहर में एक कमांड सेंटर और एक कंट्रोल रूम स्थापित होगा। इसके माध्यम से सभी गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। कमांड सेंटर में फोन पर सूचना मिलने से लेकर घटना स्थल पर पहुंचने और घायल व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने तक के समय का आकलन होगा, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को कम से कम समय में अस्पताल तक पहुंचाया जा सके। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की सूचना देने के लिए जल्द ही एक लैंडलाइन, मोबाइल या टॉल फ्री नंबर जारी किया जाएगा।